पर्यावरण सुरक्षा को पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

अर्थ प्रकाश/सुभाग सचदेवा

गोहर 12 जुलाई। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति खंड इकाई गोहर की अध्यक्षा सरला देवी, सचिव लाल मन और महिला मंडल शाला की महिलाओं के द्वारा पर्यावरण सुरक्षा का पाठ भी लोगों को पढ़ाया गया। इन लोगों ने सामूहिक रूप से इस अभियान में देवदार व बान के 20 पौधे सार्वजनिक भूमि पर लगाए गए द्य इसके अतिरिक्त विभिन्न विभिन्न स्थानों पर जैसे ग्राम पंचायत कांढी, सरोआ, मौवीसेरी, खारसी थरजूण मे नींबू, अमरुद, जापानी,देवदार और बान के लगभग 100 पौधे एम एस जे वी एस के कार्यकर्ता और महिला मंडलों के द्वारा सार्वजनिक और निजी भूमि पर लगाए गए।समिति के खंड समन्वयक लाल मन ने बताया कि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से तापमान में निरंतर वृद्धि हो रही है। जिसके कारण हमारे पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है और बादल फटने जैसी घटनाएं बढ़ती जा रही है। हमारा जीवन खतरे में पड़ता जा रहा है। इससे बचने के लिए एकमात्र उपाय यही है कि हम ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं द्य हम सब का दायित्व है कि हम पर्यावरण के संरक्षण हेतु आगे आए ताकि आने वाली पीढ़ी के लिए हम अच्छा वातावरण दे पाए।

विश्व जनसंख्या दिवस पर पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

गोहर/नरेंद्र सूर्यवंशी
हिन्द घोष टाईम्स

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति खंड इकाई गोहर द्वारा पर्यावरण संरक्षण को समर्पित एक सराहनीय अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व समिति की अध्यक्षा सरला देवी और सचिव लाल मन ने किया, जिसमें महिला मंडल शाला की महिलाओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। सार्वजनिक भूमि पर देवदार और बान के 20 पौधे रोपे गए। ग्राम पंचायत कांढी, सरोआ, मौवीसेरी, खारसी और थरजुण में नींबू, अमरूद, जापानी फल, देवदार व बान सहित लगभग 100 पौधे हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति के कार्यकर्ताओं और महिला मंडलों द्वारा लगाए गए। ये पौधे सार्वजनिक और निजी भूमि पर रोपित किए गए। खंड समन्वयक लाल मन ने इस दौरान कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते धरती का तापमान तेजी से बढ़ रहा है, जिससे पर्यावरण असंतुलित हो रहा है और बादल फटने जैसी घटनाएं आम हो गई हैं। ऐसे में पेड़ लगाना ही एकमात्र प्रभावी उपाय है, जिससे हम पर्यावरण को बचा सकते हैं। यह हम सभी की जिम्मेदारी बनती है कि हम ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करें और आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण दें, इस कार्यक्रम ने न सिर्फ जनसंख्या दिवस को सार्थक बनाया, बल्कि समाज को एक गहरा संदेश भी दिया— प्रकृति से प्रेम ही पृथ्वी का कल्याण है।